रात्रिक्लास 21/5/68 ओमशान्ति शिवबाबा याद है?

मीठे–2 रूहानी बच्चे आये हैं बाप के पास क्या सीखने? क्योंकि यह है बेहद का बाप ज्ञान का सागर, सुख का सागर। हर बात में सागर बनाते हैं। कांटों से बाप फूल बनाते हैं। और कोई करैक्टर सुधार न सके। कोई ताकत नहीं है जो–2 मनुष्यों को दैवी गुण धारण करा सके। सिवाय बाप के बच्चों और कोई आसुरी गुण बदल न सके। यह है ही आसुरी सम्प्रदाय। उनको ही दैवी सम्प्रदाय बनाना है। आसुरी सम्प्रदाय दैवी सम्प्रदाय के आगे नमन करते हैं। आप सर्वगुण सम्पन्न हो। .....अहिंसा परमोधर्म वाले देवी–देवताएं हो। तुम भी यह बन रहे हो। कौन बना रहे हैं। बाप। और कोई बना न सके। मनुष्य को हेल्दी बनाने लिए कितना खर्चा करते हैं। तुमको एवर हेल्दी बनाने में ..... खर्चा होता है। एक नया पैसा। देवताएं एवर हेल्दी हैं ना। तुम आते हो एवर हेल्दी बनने। एक बिगर कोई सर्व की एवर हेल्दी बना न सके। तुम एवर हेल्दी बनते हो। ..... मुक्तिधाम में वह भी एवर हेल्दी हैं। यहां है जंगल। सर्व गुण सम्पन .....अभी तुम बन रहे हो। कौन बना रहे हैं बाप, दादा द्वारा। बाप दादा कहां? (सामने) शिवबाबा कहां है? नीचे है? ऊपर में नहीं है? भक्त इतना भगवान को याद करते हैं वह ऊपर में नहीं है? ऊपर में भी है नीचे भी है। तो दो हो गया। गॉड इज़ वन कहा जाता है। अगर यहां है तो भक्त किसको याद करते हैं। अभी यहां है कल कहां होगा। तुम्हारे लिए ऊपर में नहीं है? यह है मज़े के प्रश्न। भक्तिमार्ग में ऐसे प्रश्न कब पूछ नहीं सकते। यह है ज्ञान की भाषा। इनको भक्त समझ न सके। बाप है ही एक जो इन द्वारा मनुष्य से देवता बनाते हैं। देवताओं में सभी गुण हैं। उनको कहा जाता है दैवी गुण वाले। गुण बाप ही भरते हैं। आसुरी गुण वाले कुछ भी कर न सके। कभी दैवी गुण धारण करा न सके। जो थोड़े अच्छे होते हैं तो कहते हैं ना देवताओं जैसे गुण है। देवता नहीं है है मनुष्य; परन्तु उनको बाप ने फूल बनाया। यहां तो सभी कांटे ही कांटे हैं। जो खुद ही सुधरे हुये न हैं तो दूसरे को (कैसे) सुधारेंगे। कायदा भी नहीं। यह है ओल्ड वर्ल्ड। तुम बैठे हो संगम पर। भल दुनियां यहीं हैं ; परन्तु तुम्हारी बुद्धि (में हैं) हम संगमयुग पर है। बाप हमको ऐसा बना रहे हैं ड्रामा के प्लेन अनुसार। हर 5000 वर्ष बाद बाप बच्चों को जो सम्मुख आकर पहचानते हैं उनको बच्चे कहते हैं। (ि)जसे नहीं पहचानते हैं उनके लिए तो सर्व.....है। जब तक ब्राह्मण न बने तब तक देवता बन न सके। पुरुषोत्तम संगम पर बाप से पुरुषोत्तम बन.....तो देवता बन न सके। गीता में बाप कहते हैं सत्य मैं ही हूँ। मैं ही बच्चों को सत्य बताता हूँ। बाप के प्लेन अनुसार पूरे टाइम पर आते हैं। एक मिनट भी आगे पीछे नहीं हो सकता। आज मंगल में 10 मिनट है 2 मिनट बाद कहेंगे 10 में आठ मिनट है। ऐसे ही चक्र फिरता रहता है। ..... चक्र फिरता ही गया है। 5000 वर्ष पूरे होंगे फिर पहले से शुरू होंगे। यह भी ड्रामा है जिसको अच्छी रीत (सम)झना है। वर्ल्ड की हिस्ट्री जॉग्राफी रिपीट होती है। रिपीट होता ही रहता है। चक्र फिरता ही रहता है। ..... युगों की आयु आदि कोई नहीं जानते। अभी बाप तुम बच्चों को समझाते हैं। सभी तो ज्ञान सागर ..... बनेंगे। यह राजधानी स्थापन हो रही है। तुम आये हो नर से ना. बनने। सभी तो राजा नहीं बन सकते तुम यहां बैठे बुद्धि योग बल ज्ञान बल से राजाई स्थापन कर रहे हो। और कोई की बुद्धि में नहीं है। योग(बल), पवित्रता बल पढ़ाई से राजधानी स्थापन कर रहे हैं। पढ़ाई की एमऑबजेक्ट ही यह है। भगवानुवाच मैं तुम(को) राजाओं का राजा डबल सिरताज बनाता हूँ। गोया डीटी डिनायस्टी जो भी वह अभी नहीं है। फिर से स्थाप(न) कर रहा हूँ। वर्ल्ड की हिस्ट्री जॉग्राफी तुम ब्राह्मण ही जानते हो शूद्र नहीं। वर्ण है ना। जो बाप के आने ..... बनते हैं उनको ले आते हैं। सम्पूर्ण तो कोई बना नहीं है। सम्पूर्ण बन जावेंगे तो नई दुनियां ज़रूर चाहिए। रावण का जेल है बाप इन जेल से छुड़ाने लिए बड़ा बैरिस्टर हुआ है। सारी दुनियां रावण के जेल में पड़ी तमोप्रधान है रावण राज्य, सतोप्रधान है रामराज्य। बाप क्या आकर करते हैं सो तुम समझते हो। प्रदर्शनी ..... आदि में प्रजा बहुत बनती है। बाप का कहना है जो ज्ञान सुनते हैं उसका विनाश नहीं होता। अच्छा गुड(नाइट)।